अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

मॉरमन की पुस्तक की बहुमूल्य प्रतिज्ञाएं

कई वर्ष पहले मैं एक युवा पिता के बिस्तर के निकट खड़ा था जो जिन्दगी और मौत के बीच झूल रहा था । उसकी चिन्तित पत्नी और उनके दो बच्चे निकट में खड़े हुए थे । उसने मेरे हाथ को अपने हाथ में लेकर, याचना की दृष्टि से देखते हुए, कहा, ''बिशप, मैं जानता हूं मैं मरने वाला हूं । मुझे बताओ मेरे मरने के बाद मेरी आत्मा का क्या होगा ।''

मैंने स्वर्गीय मार्गदर्शन के लिए शान्त प्रार्थना की और उसके बिस्तर के बग़ल की मेज पर 'ट्रिपल कॉम्बीनेशन' की प्रति को देखा । मैंने पुस्तक को लिया और पृष्ठों को पलटा । अचानक मैंने पाया कि बिना मेरे प्रयास किए, मैं मॉरमन की पुस्तक में अलमा के 40 वें अध्याय पर रूक गया था । मैंने उन वचनों को उसके लिए पढ़ाः

''सुनो, एक स्वर्गदूत के द्वारा मुझे यह मालूम हुआ कि सभी लोगों की आत्मा ज्योंही इस पार्थिव शरीर से अलग होती है, ... वह उस परमेश्वर के पास ले जायी जाती है जिसने उन्हें जीवन दिया था ।

''और ... धार्मिक लोगों की आत्माओं को वह आनंद प्राप्त होगा जिससे स्वर्ग कहते हैं, जोकि विश्राम और शांति का वह समय होगा जहां अपने सभी कष्टों, चिन्ताओं और दुखों से छुटकारा मिलेगा'' (अलमा 40:11–12) ।

जब मैं पुनरूत्थान के विषय में पढ़ रहा था, युवक के चेहरे पर चमक और होठों पर मुस्कराहट आ गई । मैंने अपनी मुलाकत समाप्त की, और इस प्यारे से परिवार से विदाई ली ।

अगली बार मैंने पत्नी और बच्चों को दफ़न पर देखा । मैं उस रात के बारे में सोचता हूं जब युवक ने सच्चाई की याचना की थी और, मॉरमन की पुस्तक से, अपने प्रश्न का उत्तर सुना था ।

शांति, स्वतंत्रता, और आशीषों की प्रतिज्ञाओं सहित हमें मॉरमन की पुस्तक से अन्य बहुमूल्य प्रतिज्ञाएं मिलती हैं, यदि हमने ''उस देश के परमेश्वर की सेवा की, जोकि यीशु मसीह है'' (इथर 2:12) ।

इसके पृष्ठों से ''उनके लिए जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं । उनको सभी बातों में आशीषें प्राप्त होती है, चाहे वह शारीरिक हो या आत्मिक'' और ''कभी- खत्म न होने वाली खुशी'' की प्रतिज्ञा मिलती है (मुसायाह 2:41) ।

इसके पृष्ठों से उनके लिए ''अनुमान से अधिक आनंद'' की प्रतिज्ञा मिलती है जो उसके बहुमूल्य बेटों और बेटियों को बचाने में ''परमेश्वर के हाथों के औजार बनते हैं'' (अलमा 28:8; 29:9) ।

इसके पृष्ठों से प्रतिज्ञा मिलती है कि बिखरा हुआ इस्राएल एकत्रित होगा—एक ऐसा काम जिसमें हम अपने महान विश्वव्यापी प्रचारक कार्यों को करते हुए व्यस्त हैं (देखें 3 नफी 16; 21–22)

इसके पृष्ठों से प्रतिज्ञा मिलती है कि जब हम पिता से पुत्र के पवित्र नाम में प्रार्थना करते हैं, हमारे परिवार आशीषित होगें (देखें 3 नफी 18:21) ।

इसके पृष्ठों के अध्ययन से वह भविष्यसूचक प्रतिज्ञा मिलती है कि ''आपके जीवन में और आपके घर में, प्रभु की अतिरिक्त आत्मा, उसकी आज्ञाओं का पालन करते हुए चलने का मजबूत संकल्प, और परमेश्वर के पुत्र की जीवित सच्चाई की मजबूत गवाही आएगी ।''[1]

और मॉरमन की पुस्तक के पृष्ठों से मरोनी की प्रतिज्ञा मिलती है कि प्रार्थना, सच्चे इरादे, और मसीह में विश्वास के द्वारा, हम इन प्रतिज्ञाओं की सच्चाई ''पवित्र आत्मा की शक्ति से'' जान सकते हैं (देखें मरोनी 10:4–5) ।

अन्य अन्तिम-दिनों के भविष्यवक्ताओं के साथ, मैं इस ''पृथ्वी पर सबसे अधिक सही पुस्तक''[2] मॉरमन की पुस्तक, यीशु मसीह के अन्य

नियम की गवाही देता हूं । इसका संदेश पृथ्वी पर फैला है और इसके पढ़ने वालों को सच्चाई का ज्ञान देता है । मेरी गवाही है कि मॉरमन की पुस्तक जीवन बदल देती है । काश हम में से प्रत्येक इसे पढ़े और बार-बार पढ़े । और हम आनंद से इसकी बहुमूल्य प्रतिज्ञाओं को परमेश्वर के सब बच्चों के साथ अपनी गवाहियों को बांटे ।

विवरण

1. Gordon B. Hinckley, "A Testimony Vibrant and True," *लियाहोन,* अगस्त 2005, 6 ।
2. *Teachings of Presidents of the Church: Joseph Smith* (2007), 64 ।

इस संदेश से सीखाना

धर्मशास्त्रों में ''हम उन सिद्धान्तों की सच्चाई पाते हैं जो प्रत्येक भ्रम और प्रत्येक समस्या और प्रत्येक दुविधा को स्पष्ट करती है जिसका मानव परिवार सामना करता है'' (*Teaching, No Greater Call* [1999], 51) । जब आप परिवार के साथ अध्यक्ष मॉनसन का संदेश बांटते हैं, उन्हें ''बहुमूल्य प्रतिज्ञाओं'' को सुनने का निमंत्रण दें जिसे उन्होंने मॉरमन की पुस्तक में पहचाना है । आप मॉरमन की पुस्तक की प्रतिज्ञा बांट सकते हैं जो आपके लिए अर्थपूर्ण रही है ।

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/10 । अनुवाद अनुमतिः 6/10 । *First Presidency Message October 2011* का अनुवाद । Hindi । 09770 294

यदि हम संदेह न करें

इस सामाग्री को पढ़ें और, जैसा उचित हो, उन बहनों के साथ इसकी चर्चा करें जिन से आप भेंट करती हैं। अपनी बहनों को मजबूत करने और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें।

विश्वास • परिवार • सहायता

मॉरमन की पुस्तक में हम आदर्श युवकों के विषय में पढ़ते हैं जो अत्याधिक बहादुर, सहासी, और मजबूत थे। ''हां, वे सत्यवादी और बुद्धिमान थे, क्योंकि उन्हें परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने की और उसके सामने सीधे चलने के शिक्षा दी गई थी'' (अलमा 53:21)। इन विश्वासी युवकों ने उनकी माताओं—उनके उदाहरणों और शिक्षकों का सम्मान किया था।

इलामन के योद्धाओं की माताएं ऐसे समय रहती थी जो हम से भिन्न नहीं था। उनकी परिस्थितियां कठीन और खतरनाक थीं, और युवाओं को शारीरिक और आत्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए बुलाया गया था। आज हम ऐसे संसार में रहते हैं जहां हमारा ''यह मल्लयुद्ध लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अंधकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं'' (इफिसियों 6:12)।

चुनौतीपूर्ण समय मजबूत माता-पिता और उदाहरणों की दुहाई देते हैं जो उस सच्चाई को सीखाते हैं जिसे इलामन के योद्धा जानते थेः ''अगर उन्होंने संदेह नहीं किया, तब परमेश्वर उनकी रक्षा करेगा'' (अलमा 56:47)। इस सच्चाई को सीखाने और उदाहरण देने के लिए आज सतर्कता की जरूरत है। फिर भी, हमें भयभीत होने की जरूरत नहीं है। जब हम जानते हैं कि हम कौन हैं और परमेश्वर कौन है और हमने उसके साथ अनुबंध बनाए हैं, हमारा—इन योद्धाओं की माताओं के समान—अच्छाई के लिए महान प्रभाव होगा।

बहुत अधिक संभव है, इलामन के 2,060 योद्धाओं में से प्रत्येक मां द्वारा प्रभावित हुआ होगा। लेकिन इन माताओं ने अकेले कार्य नहीं किया था। धार्मिक पुरूषों और स्त्रियों के साथ मिलकर, ये मांएं अनुबंधों की शक्ति सीखाने के लिए अवश्य ही विश्वास और उदाहरण में एक रही होंगी। उस समय के युवा लोगों ने अपने माता-पिता की प्रतिज्ञा को समझा था कि वे युद्ध के हथियारों हाथ नहीं लगाएंगे। और जब यह कठीन प्रतीत होता था, प्रेमी स्वर्गीय पिता ने इन माता-पिताओं के लिए अनुबंध रखने—और अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करने का मार्ग खोला (देखें अलमा 56:5–9)। इसी तरह हमें भी अपने अनुबंधों का सम्मान करना चाहिए ताकि बच्चे और युवा—हमारे अपने बच्चे और वे जो वार्ड, शाखाओं, आसपड़ोस, और समाज में रहते हैं—अनुबंध का पालन करना समझेंगे और समर्थन करेंगे।

जब हम अपने अनुबंधों का सम्मान करती हैं, स्वर्गीय पिता हमारे लिए मार्ग तैयार करता है। हम अपने अनुबंधों का सही तरह से पालन करती हैं। उदाहरण के लिए, हम प्रार्थना करने में, धर्मशास्त्र अध्ययन में, वैध मन्दिर संतुति धारण करने में, कपड़े पहनने में, सब्त के दिन का आदर करने में, एकदम सही हो सकती हैं। जब हम ऐसा करती हैं, हमारे बच्चे जानेंगे और कहने के योग्य होंगे, ''हम इसमें संदेह नहीं करते कि हमारी माताएं भी ये बातें जानती थी'' (अलमा 56:48)।

अन्तिम-दिनों की सन्त स्त्रियां जो जानती हैं कि उनकी शक्ति प्रभु के प्रायश्चित से मिलती हैं उन्होंने कठीन और निरूत्साहित करने वाले समय में हार नहीं मानती हैं। अनुबंध का पालन करने वाले के रूप में, हम बच्चों और युवाओं का समर्थन, पोषण, और रक्षा करने में श्रेष्ठ रहती हैं ताकि एक दिन हम इस उभरती पीढ़ी से कह सकें, ''मैंने ऐसा साहस पहले कभी नहीं देखा; नहीं, कभी नहीं नफायटियों में भी नहीं'' (अलमा 56:45)।

धर्मशास्त्रों से

अलमा 53; 56–58

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. मैं कैसे मदद कर सकती हूं कि मेरी बहनें उस शक्ति को पहचानें और कार्य करें जिससे उन्हें उभरती पीढ़ी को प्रभावित करना है ?

2. जिन चुनौतियां का सामना मैं आज कर रही हूं उनके समाधान के लिए मुझे मॉरमन की पुस्तक में क्या प्रेरणा मिलेगी ?

अधिक जानकारी के लिए, www.reliefsociety.lds.org पर जाएं।

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित। भारत में छपी। अंग्रेजी अनुमतिः 6/10। अनुवाद अनुमतिः 6/10। *Visiting Teaching Message, October 2011* का अनुवाद। Hindi। 09770 294